चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	20-07-2023	2	1-3

कार्यक्रम • हकृवि में 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर शुरू, 17 प्रदेशों के 200 स्वयंसेवक ले रहे हिस्सा

समाज के प्रति दायित्वों और वसुदेव कुटुम्बकम की भावना को अपनाकर कार्य करें स्वयंसेवक : जिंदल

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत बुधवार को सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से देशराज व राज्य एनएसएस अधिकारी और हरियाणा से डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यातिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर की, जिसके बाद स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना का गीत गाया। इस शिविर में 17 प्रदेशों के 200 स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे हैं।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत ऋषि-मुनियों का देश है, जिसकी संस्कृति बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है। ऋषि-मुनि व संत जो भगवा रंग के वस्त्र पहनते हैं, वह लाल और पीले रंग से मिलकर बना है और बलिदान व त्याग का परिचायक है। महान विचारक स्वामी दयानंद जैसे महान विभूतियों ने मानवता का पालन कर समाज को सुधारने का काम किया। इस राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार लाने की जरूरत है ताकि हम समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वसुदेव कुटुम्बकम की भावना को समझकर समाज के उत्थान में अपना सहयोग दे सकेंगे।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय एकता शिविर में संबोधित करते पवन जिंदल ।

एक-दूसरे की संस्कृति के सम्मान से बनेगा मजबूत भारत : प्रो. काम्बोज

कुलपति बी.आर काम्बोज ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर का मुख्य उद्देश्य समाज और स्वयं में सुधार लाना है। स्वयंसेवकों को वसुदेव कुटुम्बकम की भावना को व्यापकता से समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश को जानने के लिए व अनेकता में एकता के सूत्र को समझने में इस शिविर का अहम योगदान होगा। इस शिविर से विद्यार्थियों में निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा होगा।

भाषण, वाद-विवाद, ग्रुप डांस, सोलो डांस, रंगोली आदि प्रतियोगिताएं होंगी

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में आयोजित होने वाली भाषण, कविता, वाद-विवाद, सोलो डांस, स्लोगन राईटिंग, ग्रुप डांस, रंगोली आदि प्रतियोगिताओं की रूपरेखा की विस्तृत जानकारी दी। मंच का संचालन स्वयंसेवक अंकित ने किया। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस. के. पाहूजा ने सभी का स्वागत किया, जबकि डॉ. चंद्रशेखर डागर ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	20-07-2023	1	1-4

भगवा रंग है त्याग और बलिदान का प्रतीकः पवन जिंदल

एचएयू के कृषि महाविद्यालय सभागार में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाज सेवी पवन जिंदल संबोधित करते हुए। • पीआरओ

- एचएयू हिसार के सभागार में शुरू हुआ सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर
- कहा- दायित्वों को समझकर दें समाज के उत्थान में अपना योगदान

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में बुधवार को सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर शुरू हुआ। इसमें मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल रहे, जबकि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से देशराज व राज्य एनएसएस अधिकारी डा. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि पवन जिंदल ने कहा कि भारत ऋषि-मुनियों का देश है, जिसकी संस्कृति बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है। ऋषि-मुनि व संत जो भगवा रंग के वस्त्र पहनते हैं वह लाल और पीले रंग से मिलकर बना है, जो बलिदान व त्याग के परिचायक है। स्वामी दयानंद जैसे महान विभूतियों ने मानवता का पालन कर समाज को सुधारने का काम किया अर्थात इस राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार लाने की जरूरत है ताकि हम समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वसुधैव कुटुंबकम की भावना को व्यापकता तरीके से समझकर समाज के उत्थान में अपना सहयोग दे सकेंगे।

हकृवि की एनएसएस इकाई की सराहना की

युवा अधिकारी देशराज ने कहा कि हकृवि की एनएसएस इकाई द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किए गए बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं और आत्मनिर्भर भारत में योगदान के लिए सराहना की। डा. दिनेश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर एक ऐसा मंच है, जिससे स्वयंसेवकों को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। छात्र कल्याण निदेशक डा.. अतुल ढींगड़ा ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में आयोजित होने वाली भाषण, कविता, वाद-विवाद, सोलो डांस, स्लोगन राईटिंग, ग्रुप डांस, रंगोली आदि प्रतियोगिताओं की रूपरेखा की विस्तृत जानकारी दी। मंच का संचालन स्वयंसेवक अंकित ने किया। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एस के पाहूजा ने सभी का स्वागत किया, जबकि डॉ. चंद्रशेखर डागर ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डा. भगत सिंह सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

भाईचारा व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने से बनेगा मजबूत भारत: प्रो. काम्बोज

कुलपति बीआर काम्बोज ने कहा कि आत्म निर्भर भारत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य समाज और स्वयं में सुधार लाना है। स्वयंसेवक समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वसुधैव कुटुंबकम की भावना को व्यापकता में समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश को जानने के लिए व अनेकता में एकता के सूत्र को समझने में इस शिविर का अहम योगदान होगा। इस शिविर से विद्यार्थियों में नि :स्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	20-7-2023	9	3-8

कार्यक्रम एचएयू में राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ, 17 प्रदेशों के 200 स्वयंसेवक ले रहे भाग

समाज के प्रति अपने दायित्वों व वसुधैव कुंटुम्बकम की भावना को अपनाते हुए कार्य करें स्वयंसेवक : जिंदल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ। इसमें वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल मुख्यातिथि रहे जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से देशराज व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे।

- भारत देश की संस्कृति बलिदान और त्याग से मिलकर बनी : पवन

मुख्यातिथि पवन जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत देश ऋषि-मुनियों का देश है, जिसकी संस्कृति बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है। ऋषि-मुनि व संत जो भगवा रंग के वस्त्र पहनते हैं वह लाल और पीले रंग से मिलकर बना है, जो बलिदान व त्याग के परिचायक है। महान विचारक स्वामी दयानंद जैसे महान विभूतियों ने मानवता का पालन कर समाज को सुधारने का काम किया अर्थात इस राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार लाने की जरूरत है ताकि हम समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वसुधैव कुंटुम्बकम की भावना को व्यापकता तरीके से समझकर समाज के उत्थान में अपना सहयोग दे सकेंगे।

उन्होंने बताया कि आज के युवाओं को निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत देश को फिर से विश्व गुरु बनाने की जरूरत है।

हिसार। राष्ट्रीय एकता शिविर कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यातिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल।

समाज और स्वयं में सुधार लाना राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य

कुलपति बीआर काम्बोज ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य समाज और स्वयं में सुधार लाना है। उन्होंने बताया कि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश को जागने के लिए व अनेकता में एकता के सूत्र को समझाने में इस शिविर का अहम योगदान होगा। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में आयोजित होने वाली गायण, कविता, वाद-विवाद, सोलो डांस, स्लोगन राईटिंग, ग्रुप डांस, रंगोली आदि प्रतियोगिताओं की रूपरेखा की विस्तृत जानकारी दी। मंच का संचालन स्वयंसेवक अंकित ने किया। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस के पाहुजा ने सभी का स्वागत किया, जबकि डॉ. चंद्रशेखर डागर ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भवत सिंह, डॉ. दिनेश कुमार, युवा अधिकारी देशराज आदि उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	20-7-2023	4	1-5

समाज के प्रति अपने दायित्वों व वासुदेव कुंटुम्बकम की भावना को अपनाते हुए कार्य करें स्वयंसेवक: जिंदल

राष्ट्रीय एकता शिविर में मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाज सेवी पवन जिंदल संबोधित करते हुए।

राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ, 17 प्रदेशों के 200 स्वयंसेवक ले रहे हैं भाग

हिसार, 19 जुलाई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आज 7 दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से देशराज व राज्य एन.एस.एस. अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत देश ऋषि-मुनियों का देश है, जिसकी संस्कृति बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है। ऋषि-मुनि व संत जो भगवा रंग के वस्त्र पहनते हैं वह लाल और पीले रंग से मिलकर बना है, जो बलिदान व त्याग के परिचायक है।

महान विचारक स्वामी दयानंद जैसे महान विभूतियों ने मानवता का पालन कर समाज को सुधारने का काम किया अर्थात इस राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार लाने की जरूरत है ताकि हम समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वासुदेव कुंटुम्बकम की भावना को व्यापकता तरीके से समझकर समाज के उत्थान में अपना सहयोग दे सकेंगे। उन्होंने बताया कि आज के युवाओं को निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत देश को फिर से विश्व गुरु बनाने की जरूरत है।

स्वयंसेवकों ने जाना एक-दूसरे की संस्कृति को

राष्ट्रीय एकता शिविर में भारत के विभिन्न राज्यों से आए स्वयंसेवकों ने एक-दूसरे की संस्कृति, वेशभूषा और भाषा को जाना है, जिससे वे अपने अंदर अनुशासन, व्यक्तित्व विकास, समाज सेवा जैसे गुणों को पैदा कर समाज की कुरीतियों से लड़कर उत्थान करने का काम करें। राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने छोटे भारत के स्लोगन की झलक भी दिखाई है, जोकि अनेकता में एकता का प्रतीक है। साथ ही कैंप में नारी शक्ति, जय जवान जय किसान के स्लोगनों को भी चरितार्थ किया गया, जोकि देश की अखंडता व एकता को दर्शाता है।

निस्वार्थ भाव, भाईचारा व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने से बनेगा मजबूत भारत : प्रो. बी.आर. काम्बोज

कुलपति बी.आर काम्बोज ने कहा कि आत्म निर्भर भारत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य समाज और स्वयं में सुधार लाना है। स्वयंसेवक समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वासुदेव कुंटुम्बकम की भावना को व्यापकता में समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश को जानने के लिए व अनेकता में एकता के सूत्र को समझने में इस शिविर का अहम योगदान होगा। इस शिविर से विद्यार्थियों में निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करती है। युवा अधिकारी देशराज ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि हकृवि की एन.एस.एस. इकाई द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किए गए बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने बताया कि अलग-अलग राज्यों से आए स्वयंसेवकों के पास राष्ट्रीय एकता शिविर वह मंच है, जिसमें वे खेलकूद सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपने राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा से लेकर संस्कृति से जुड़ेंगे।

डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर एक ऐसा मंच है, जिससे स्वयंसेवकों को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। अगर समाज में परिवर्तन व सुधार लाना चाहते हैं तो पहले स्वयं में बदलाव लाना होगा। उन्होंने युवाओं को अपनी ऊर्जा का सही दिशा में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में आयोजित होने वाली भाषण, कविता, वाद-विवाद, सोलो डांस, स्लोगन राईटिंग, ग्रुप डांस, रंगोली आदि प्रतियोगिताओं की रूपरेखा की विस्तृत जानकारी दी। मंच का संचालन स्वयंसेवक अंकित ने किया। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस के पाहूजा ने सभी का स्वागत किया, जबकि डॉ. चंद्रशेखर डागर ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	20-7-23	6	6-8

समाज के प्रति अपने दायित्वों व वसुदेव कुंटुम्बकम की भावना को अपनाते हुए कार्य करें स्वयंसेवक : पवन जिंदल

हिसार, 19 जुलाई (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आज सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्यातिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से देशराज व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे।

मुख्यातिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत देश ऋषि-मुनियों का देश है, जिसकी संस्कृति बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है। ऋषि-मुनि व संत जो भगवा रंग के वस्त्र पहनते हैं वह लाल और पीले रंग से मिलकर बना है, जो बलिदान व त्याग के परिचायक है। महान विचारक स्वामी दयानंद जैसे महान विभूतियों ने मानवता का पालन कर समाज को सुधारने का काम किया अर्थात इस राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार लाने की जरूरत है ताकि हम समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वासुदेव कुंटुम्बकम की भावना को व्यापकता तरीके से समझकर समाज के उत्थान में अपना सहयोग दे सकेंगे। उन्होंने बताया कि आज के युवाओं को निस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत देश को फिर से विश्व गुरु बनाने की जरूरत है।

राष्ट्रीय एकता शिविर कार्यक्रम में एनएसएस गीत के समय मंच पर खड़े मुख्यातिथि सहित अन्य अधिकारीगण।

निस्वार्थ भाव, भाईचारा व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने से बनेगा मजबूत भारत: प्रो. बी.आर. काम्बोज

कुलपति बी.आर काम्बोज ने कहा कि आत्म निर्भर भारत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य समाज और स्वयं में सुधार लाना है। स्वयंसेवक समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वासुदेव कुंटुम्बकम की भावना को व्यापकता में समझने में मदद मिलेगी। युवा अधिकारी देशराज ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि हकृवि को एनएसएस इकाई द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किए गए बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर एक ऐसा मंच है, जिससे स्वयंसेवकों को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। अगर समाज में परिवर्तन व सुधार लाना चाहते हैं तो पहले स्वयं में बदलाव लाना होगा। उन्होंने युवाओं को अपनी ऊर्जा का सही दिशा में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अमृल ढींगड़ा ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में आयोजित होने वाली भाषण, कविता, वाद-विवाद, सोलो डांस, स्लोगन राईटिंग, ग्रुप डांस, रंगोली आदि प्रतियोगिताओं की रूपरेखा की विस्तृत जानकारी दी। मंच का संचालन स्वयंसेवक अंकित ने किया। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा ने सभी का स्वागत किया, जबकि डॉ. चंद्रशेखर डागर ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यातिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया, जिसके बाद स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना का गीत गाया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	20-07-2023	3	3-7

स्वयंसेवक को खुद में सुधार लाने की जरूरत : जिंदल

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कृषि महाविद्यालय सभागार में राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी पवन जिंदल ने किया। जिंदल ने कहा कि स्वामी दयानंद ने मानवता का पालन कर समाज को सुधारने का काम किया। शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार लाने की जरूरत है।

एचएयू में मुख्य अतिथि पवन जिंदल को पौधा भेंट करते कुलपति प्रो. कांबोज। संवाद

उन्होंने कहा कि युवाओं को निस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत देश को फिर से विश्व गुरु बनाने की जरूरत है। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। युवा कार्यक्रम नई दिल्ली से देशराज, राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे। इस मौके पर युवा अधिकारी देशराज, डॉ. दिनेश कुमार, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा, डॉ. एसके पाहूजा, डॉ. चंद्रशेखर डागर, डॉ. भगत सिंह, अंकित आदि मौजूद रहे।

एचएयू में 17 प्रदेशों के 200 स्वयंसेवक शिविर में पहुंचे

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	20-07-2023	5	1-6

समाज के प्रति वासुदेव कुटुम्बकम् की भावना को अपनाते हुए कार्य करें स्वयंसेवक: जिंदल

- राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ, 17 प्रदेशों के 200 स्वयंसेवक ले रहे हैं भाग

सच कहूँ/ श्याम सुन्दर सरदाना

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से देशराज व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत देश ऋषि-मुनियों का देश है, जिसकी संस्कृति बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है। ऋषि-मुनि व संत जो भगवा रंग के वस्त्र पहनते हैं वह लाल और पीले रंग से मिलकर बना है, जो बलिदान व त्याग के परिचायक है। महान विचारक स्वामी दयानंद जैसे महान विभूतियों ने मानवता का पालन कर समाज को सुधारने का काम किया अर्थात इस राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार लाने की जरूरत है ताकि हम समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वासुदेव कुटुम्बकम की भावना को व्यापकता तरीके से समझकर समाज के उत्थान में अपना सहयोग दे सकेंगे। उन्होंने बताया कि आज के युवाओं को निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत देश को फिर से विश्व गुरु बनाने की जरूरत है।

सभागार में आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाज सेवी पवन जिंदल संबोधित करते हुए।

भाईचारा व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने से बनेगा मजबूत भारत : प्रो. बी.आर. काम्बोज

कुलपति बी.आर काम्बोज ने कहा कि आत्म निर्भर भारत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य समाज और स्वयं में सुधार लाना है। स्वयंसेवक समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वासुदेव कुटुम्बकम की भावना को व्यापकता में समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश को जानने के लिए व अनेकता में एकता के सूत्र को समझने में इस शिविर का अहम योगदान होगा। इस शिविर से विद्यार्थियों में नि स्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दी भास्कर	20-07-2023	4	5-7

हकृवि का नूंह जिले में नया कृषि विज्ञान केन्द्र खुलेगा, मुख्यमंत्री ने किया शिलान्यास

पैदावार बढ़ाने के लिए वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में मिलेंगी सुविधाएं

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तत्वावधान में एक नया कृषि विज्ञान केन्द्र जिला नूंह में खुलेगा। नूंह के गांव छपेड़ा में करीब 30 एकड़ भूमि में कृषि विज्ञान केन्द्र, नूंह का प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शिलान्यास किया। इस मौके पर चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी डी.एस. ढेसी व हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज भी उपस्थित रहे।

इस कृषि विज्ञान केन्द्र से हरियाणा में स्थित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। मुख्यमंत्री ने हकृवि की इस पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा प्रदेश का यह क्षेत्र कृषि के लिए उपयुक्त प्राकृतिक संसाधनों की कमी के कारण बहुत पिछड़ा हुआ है। यहां किसानों की आमदनी प्रदेश के अन्य क्षेत्रों की तुलना में बहुत कम है। उन्होंने कहा कि इस कृषि विज्ञान केन्द्र के खुलने से यहां के किसानों को कृषि से अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिल सकेगा। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से इस क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों व किसानों की जरूरतों के अनुसार अनुसंधान कर उन्नत कृषि तकनीक किसानों को उपलब्ध करवाने का आह्वान किया। उद्घाटन समारोह के बाद कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, छपेड़ा के इंचार्ज डॉ. उमेश कुमार शर्मा के साथ कृषि विज्ञान केन्द्र फार्म का भ्रमण किया और छपेड़ा गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित किया।

शिलान्यास समारोह के दौरान मौजूद चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी डी.एस. ढेसी व कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य अधिकारीगण।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	२०-३-२०२३	२	४

एचएयू का 20वां कृषि विज्ञान केंद्र नूंह के छपेड़ा में खुलेगा

हिसार। चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के तत्वावधान में नूंह में नया कृषि विज्ञान केंद्र जिला नूंह में खुलेगा। नूंह के गांव छपेड़ा में करीब 30 एकड़ भूमि में बनने वाला केंद्र एचएयू का प्रदेश में 20वां कृषि विज्ञान केंद्र होगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस केंद्र का शिलान्यास किया।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह एवं कृषि विज्ञान केंद्र, छपेड़ा के इंचार्ज डॉ. उमेश कुमार शर्मा के साथ कृषि विज्ञान केंद्र फार्म का भ्रमण किया। केंद्र से मिट्टी-पानी जांच, विस्तार गतिविधियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम, उन्नत किस्मों व तकनीकों का प्रदर्शन, बीज उत्पादन की गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	20-07-2023	5	2

हकृवि का नूंह में खुलेगा नया कृषि विज्ञान केंद्र

हिसार 19 जुलाई (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तत्वावधान में एक नया कृषि विज्ञान केंद्र जिला नूंह में खुलेगा। नूंह के गांव छपेड़ा में करीब 30 एकड़ भूमि में कृषि विज्ञान केन्द्र, नूंह का प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शिलान्यास किया। इस मौके पर चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी डी.एस. ढेसी व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज भी उपस्थित रहे। इस कृषि विज्ञान केन्द्र से हरियाणा में स्थित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। मुख्यमंत्री ने हकृवि की इस पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा प्रदेश का यह क्षेत्र कृषि के लिए उपयुक्त प्राकृतिक संसाधनों की कमी के कारण कृषि में बहुत पिछड़ा हुआ है।

यहां किसानों की आमदनी प्रदेश के अन्य क्षेत्रों की तुलना में बहुत कम है। उन्होंने कहा इस कृषि विज्ञान केन्द्र के खुलने से यहां के किसानों को कृषि से अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिल सकेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	19.07.2023	--	--

बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है भारत देश की संस्कृति : पवन जिंदल

पांच बजे न्यूज।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आज सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से देशराज व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत देश ऋषि-मुनियों का देश है, जिसकी संस्कृति बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है। ऋषि-मुनि व संत जो भगवा रंग के वस्त्र पहनते हैं वह लाल और पीले रंग से मिलकर बना है, जो बलिदान व त्याग के परिचायक है। महान विचारक स्वामी दयानंद जैसे महान विभूतियों ने मानवता का पालन कर समाज को सुधारने का काम किया अर्थात इस राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार लाने की जरूरत है ताकि हम समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वासुदेव कुटुम्बकम की भावना को व्यापकता तरीके से समझकर समाज के उत्थान में अपना सहयोग दे सकेंगे। उन्होंने बताया कि आज के युवाओं को निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत देश को फिर से विश्व गुरु बनाने की जरूरत है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि आत्म निर्भर भारत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य समाज और स्वयं में सुधार लाना है। स्वयंसेवक समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वासुदेव कुटुम्बकम की भावना को व्यापकता में समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश को जानने के लिए व अनेकता में एकता के सूत्र को समझने में इस शिविर का अहम योगदान होगा। इस शिविर से विद्यार्थियों में निःस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करते हैं युवा अधिकारी देशराज ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि हकृवि की एनएसएस इकाई द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किए गए बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं और आत्मनिर्भर भारत में योगदान के लिए सराहना की। उन्होंने बताया कि अलग-अलग राज्यों से आए स्वयंसेवकों के पास राष्ट्रीय एकता शिविर वह मंच है, जिसमें वे खेलकूद सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपने राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा से लेकर संस्कृति से जुड़ेंगे। डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर एक ऐसा मंच है, जिससे स्वयंसेवकों को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। अगर समाज में परिवर्तन व सुधार लाना चाहते हैं तो पहले स्वयं में बदलाव लाना होगा। उन्होंने युवाओं को अपनी ऊर्जा का सही दिशा में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में आयोजित होने वाली भाषण, कविता, वाद-विवाद, सोलो डांस, स्लोगन राइटिंग, ग्रुप डांस, रंगोली आदि प्रतियोगिताओं की रूपरेखा की विस्तृत जानकारी दी। मंच का संचालन स्वयंसेवक अंकित ने किया। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस के पाहुजा ने सभी का स्वागत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	20-7-23	4	7-8

मानसून के बाद मक्का की एचएम और एचक्यूपीएम किस्में लगाएं

पौधे से पौधे की दूरी 20 सेंटीमीटर रखना जरूरी

भास्कर न्यूज | हिसार

मानसून के बाद संकर मक्का की बिजाई 20 जुलाई तक पूरी कर लें। एचएचएम-1, एचएचएम-2, एचएम-4, एचएम-5, एचएम-10, एचएम-11, एचक्यूपीएम 1, एचक्यूपीएम 5, एचक्यूपीएम 4 किस्मों का बीज ही बोएं।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि मक्का की बिजाई कतारों में 75 सेंटीमीटर की दूरी पर कर लें। बिजाई के 10 दिन बाद फालतू पौधे निकालकर पौधे से पौधे की दूरी 20 सेंटीमीटर रखें। बीज की गहराई 3 से 5 सेंटीमीटर हो। साधारणतया 8.0 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ बिजाई के लिए काफी होता है। मक्की में खरपतवारों को कल्टीवेटर, व्हील हैंड या खुरपे या कसोले से निराई करके या खरपतवारनाशकों से नष्ट किया जा सकता है। बिजाई के तुरंत बाद 400-600 ग्राम एट्राजीन 50 प्रतिशत घुपा प्रति एकड़ 250 लीटर पानी में मिलाकर छिड़कें। खरपतवारों के नियंत्रण के लिए टैम्बोट्रायोन लोडिस 34.4 प्रतिशत का 115 मिली. तैयार मिश्रण 400 मिली चिपचिपे पदार्थ को 200 लीटर पानी में घोलकर बिजाई के 10-15 दिन बाद या खरपतवार की 2-3 पत्ती की अवस्था पर प्रति एकड़ छिड़कें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	20-07-2023	4	1-6

भास्कर खास • देसी कपास में खाद डालने की जरूरत नहीं, बीटी कॉटन में एक बैग यूरिया का छिड़काव आवश्यक

कपास में थ्रिप्स, सफेद मक्खी व हरा तेला का जुलाई में बढ़ जाता है प्रकोप, नीम आधारित कीटनाशक और फ्लॉनिकामिड़ उलाला का छिड़काव करें

भास्कर न्यूज | हिसार

बरसात के बाद कपास में निराई-गुड़ाई करें। बिजाई के समय डीएपी डाल दिया है तो अच्छी बारिश के बाद बीटी कॉटन में एक बैग यूरिया का छिड़काव करें। बिजाई के समय डीएपी नहीं डाला है तो अच्छी बरसात के बाद डीएपी की बिजाई करें। देसी कपास में खाद डालने की आवश्यकता नहीं है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि फसल में एनपीके इत्यादि का छिड़काव भी बिजाई के 100 दिन बाद ही करें। जुलाई में कपास की फसल में थ्रिप्स, चूरड़ा, सफेद मक्खी व हरे तेला का भी प्रकोप हो जाता हैं। 60 दिनों से कम अवधि की फसल में थ्रिप्स संख्या यदि 30 थ्रिप्स प्रति 3 पत्ता मिले तो नीम आधारित कीटनाशक का प्रयोग करें।

सफेद मक्खी यदि 6-8 प्रौढ़ प्रति पत्ता एवं हरा तेला 2 शिशु प्रति पत्ता मिले तो फ्लॉनिकामिड़ उलाला 50 डब्लू जी की 60 ग्राम मात्रा प्रति 200 लीटर पानी की दर से एक छिड़काव करें।

गुलाबी सुंडी से बचाव के लिए यह करें

कपास अनुभाग के प्रभारी डा. करमल सिंह मलिक ने बताया कि गुलाबी सुंडी की निगरानी के लिए 2 फेरोमोन ट्रैप प्रति एकड़ लगाएं तथा इनमें फंसने वाले सुंडी के पतंगों को 3 दिनों के अंतराल पर गिनती करें। जून से मध्य अगस्त तक यदि इनमें कुल 12-15 पतंगें प्रति ट्रैप तीन दिने में आते हैं तो कीटनाशक के छिड़काव की आवश्यकता हैं। फसल 60 दिनों के होने के बाद तथा गुलाबी सुंडी का प्रकोप फलीय भागों पर 5-10 प्रतिशत होने पर एक छिड़काव प्रोफेनोफोस क्यूराक्रोन/ सेंल्क्रोन/कैरिना 50 ईसी की 3 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से करें।

हरियाणा कृषि विवि के फार्म में कपास की फसल।

पैराविल्ट के लक्षण मिलने पर कोबाल्ट क्लोराइड के घोल का छिड़काव करें

किसानों को पैराविल्ट के लक्षण दिखाई दें तो 24 से 48 घंटों के अंदर 2 ग्राम कोबाल्ट क्लोराइड 200 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। जीवाणु अंगमारी रोग के लिए किसान 6 से 8 ग्राम स्ट्रेप्टोसाक्लीन और 600 से 800 ग्राम कॉपर ऑक्सिक्लोराइड को 150 से 200 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ 15 से 20 दिन के अंतराल पर दो से तीन छिड़काव करें। जड़ गलन बीमारी से सूखे हुए पौधों को खेत में से उखाड़ कर जमीन में दबा दें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	19.07.2023	--	--

समाज के प्रति अपने दायित्वों व वसुधैव कुटुंबकम की भावना को अपनाते हुए कार्य करें स्वयंसेवक : पवन जिंदल

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आज सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ,

राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ, 17 प्रदेशों के 200 स्वयंसेवक ले रहे हैं भाग

जिसमें मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से देशराज व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत देश ऋषि-मुनियों का देश है, जिसकी संस्कृति बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है। ऋषि-मुनि व संत जो भगवा रंग के वस्त्र पहनते हैं वह लाल और पीले रंग से मिलकर बना है, जो बलिदान व त्याग के परिचायक है। महान विचारक स्वामी दयानंद जैसे महान विभूतियों ने मानवता का पालन कर समाज

को सुधारने का काम किया अर्थात इस राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार लाने की जरूरत है ताकि हम समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वसुधैव कुटुंबकम की भावना को व्यापकता तरीके से समझकर समाज के उत्थान में अपना सहयोग दे सकेंगे। उन्होंने बताया कि आज के युवाओं को नि:स्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत देश को फिर से विश्व गुरु बनाने की जरूरत है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	20.07.2023	--	--

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का जिला नूंह में खुलेगा नया कृषि विज्ञान केन्द्र

हिसार , चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तत्वावधान में एक नया कृषि विज्ञान केन्द्र जिला नूंह में खोला गया है। नूंह के गांव छपेड़ा में करीब 30 एकड़ भूमि में कृषि विज्ञान केन्द्र, नूंह का प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शिलान्यास किया। इस मौके पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज भी उपस्थित रहे।

इस कृषि विज्ञान केन्द्र से हरियाणा में स्थित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। मुख्यमंत्री ने हकृवि की इस पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा प्रदेश का यह क्षेत्र कृषि के लिए उपयुक्त प्राकृतिक संसाधनों की कमी के कारण कृषि में बहुत पिछड़ा हुआ है। यहां किसानों की आमदनी प्रदेश के अन्य क्षेत्रों की तुलना में बहुत कम है। उन्होंने कहा इस कृषि विज्ञान केन्द्र के खुलने से यहां के किसानों को कृषि से अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिल सकेगा। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से इस क्षेत्र की भूगोलिक परिस्थिति व किसानों की जरूरतों के अनुसार अनुसंधान कर उन्नत कृषि तकनीक किसानों को उपलब्ध करवाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने किया शिलान्यास

उद्घाटन समारोह के बाद कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, छपेड़ा के इंचार्ज डॉ. उमेश कुमार शर्मा के साथ कृषि विज्ञान केन्द्र फार्म का भ्रमण किया और छपेड़ा गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा नवस्थापित कृषि विज्ञान केन्द्र से विभिन्न कार्यक्रमों जैसे मिट्टी-पानी जांच, विस्तार गतिविधियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम, उन्नत किस्मों व तकनीकों का प्रदर्शन, बीज उत्पादन व किसानों की आय उपार्जन संबंधित विभिन्न गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	19.07.2023	--	--

नूंह में नए कृषि विज्ञान केन्द्र का सीएम ने किया शिलान्यास

नभ-छोर न्यूज ▶▶ 19 जुलाई

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तत्वावधान में एक नया कृषि विज्ञान केन्द्र जिला नूंह में खुलेगा। नूंह के गांव छपेड़ा में करीब 30 एकड़ भूमि में कृषि विज्ञान केन्द्र, नूंह का प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शिलान्यास किया। इस मौके पर चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी डीएस ढेसी व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज भी उपस्थित रहे। इस कृषि विज्ञान केन्द्र से हरियाणा में स्थित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। उन्होंने कहा प्रदेश का यह क्षेत्र कृषि के लिए उपयुक्त प्राकृतिक संसाधनों की कमी के कारण कृषि में बहुत पिछड़ा हुआ है। यहां किसानों की आमदनी प्रदेश के अन्य क्षेत्रों की तुलना में बहुत कम है। उन्होंने कहा इस कृषि विज्ञान केन्द्र के खुलने से यहां के किसानों को कृषि से अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिल सकेगा। कुलपति प्रो. काम्बोज ने विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, छपेड़ा के इंचार्ज डॉ. उमेश कुमार शर्मा के साथ कृषि विज्ञान केन्द्र फार्म का भ्रमण किया और छपेड़ा गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	19.07.2023	--	--

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का जिला नूंह में खुलेगा नया कृषि विज्ञान केन्द्र

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 19 जुलाई। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के तत्वावधान में एक नया कृषि विज्ञान केन्द्र जिला नूंह में खुलेगा। नूंह के गांव छपेड़ा में करीब 30 एकड़ भूमि में कृषि विज्ञान केन्द्र, नूंह का प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शिलान्यास किया। इस मौके पर चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी डी.एस. ढेसी हरियाणा सरकार व चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज भी उपस्थित रहे। इस कृषि विज्ञान केन्द्र से हरियाणा में स्थित विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों की संख्या बढ़कर 20 हो गई है। मुख्यमंत्री ने हकृवि की इस पहल की प्रशंसा की। उन्होंने कहा प्रदेश का यह क्षेत्र कृषि के लिए उपयुक्त प्राकृतिक संसाधनों की कमी के कारण कृषि में बहुत पिछड़ा हुआ है। यहां किसानों की आमदनी प्रदेश के अन्य क्षेत्रों की तुलना में बहुत कम है। उन्होंने कहा इस कृषि विज्ञान केन्द्र के खुलने से यहां के किसानों को कृषि से अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिल सकेगा। उन्होंने भूगोलिक परिस्थिति व किसानों की जरूरतों के अनुसार अनुसंधान कर उन्नत कृषि तकनीक किसानों को उपलब्ध करवाने का आह्वान किया। उद्घाटन समारोह के बाद कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, छपेड़ा के इंचार्ज डॉ. उमेश कुमार शर्मा के साथ कृषि विज्ञान केन्द्र फार्म का भ्रमण किया और छपेड़ा गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में उपस्थित किसानों को संबोधित किया। उन्होंने कहा नवस्थापित कृषि विज्ञान केन्द्र से विभिन्न कार्यक्रमों जैसे मिट्टी-पानी जांच, विस्तार गतिविधियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम, उन्नत किस्मों व तकनीकों का प्रदर्शन, बीज उत्पादन व किसानों की आय उपार्जन संबंधित विभिन्न गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने इन्हारी आदि आसपास के गांवों के क्षेत्र के किसानों से कृषि विज्ञान केन्द्र के साथ तालमेल बढ़ाने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में गांव छपेड़ा खेरली दौरू, किसान भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	19.07.2023	--	--

एच.ए.यू. में राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ, 17 प्रदेशों के 200 स्वयंसेवक ले रहे हैं भाग

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार, 19 जुलाई। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय सभागार में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आज सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल रहे, जबकि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना, नई दिल्ली से देशराज व राज्य एनएसएस अधिकारी, हरियाणा डॉ. दिनेश कुमार भी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी पवन जिंदल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत देश ऋषि-मुनियों का देश है, जिसकी संस्कृति बलिदान और त्याग से मिलकर बनी है। ऋषि-मुनि व संत जो भगवा रंग के वस्त्र पहनते हैं वह लाल और पीले रंग से मिलकर बना है, जो बलिदान व त्याग के परिचायक है। महान चिंतक स्वामी दयानंद जैसे महान विभूतियों ने मानवता का पालन कर समाज की बुराइयों का नाश किया अर्थात इस राष्ट्रीय एकता शिविर के माध्यम से स्वयंसेवकों को समाज और स्वयं में सुधार लाने की जरूरत है ताकि हम समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वसुधैव कुटुंबकम की भावना को व्यवस्थित तरीके से समझकर समाज के उत्थान में अपना सहयोग दे सकेंगे। उन्होंने बताया कि आज के युवाओं को निस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत देश को फिर से विश्व गुरु बनाने की जरूरत है।

निस्वार्थ भाव, भाईचारा व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने से बनेगा मजबूत भारत : प्रो. बी.आर. काम्बोज

कुलपति बी.आर. काम्बोज ने कहा कि आत्म निर्भर भारत विषय पर आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना का मुख्य उद्देश्य समाज और स्वयं में सुधार लाना है। स्वयंसेवक समाज के प्रति अपने दायित्वों को, वसुधैव कुटुंबकम की भावना को व्यवस्थित ढंग से समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश को जानने के लिए व अनेकता में एकता के सूत्र को समझने में इस शिविर का अहम योगदान होगा। इस शिविर से विद्यार्थियों में निस्वार्थ भाव से सेवा करने, समाज में भाईचारा कायम करने व एक-दूसरे की संस्कृति का सम्मान करने का भाव पैदा करती है। युवा अधिकारी देशराज ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि हकृवि की एनएसएस इकाई द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किए गए बेहतरीन प्रदर्शन कर रही है। उन्होंने विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं और आत्मनिर्भर भारत में योगदान के लिए सराहना की। उन्होंने बताया कि अलग-अलग राज्यों से आए स्वयंसेवकों के पास राष्ट्रीय एकता शिविर वह मंच है, जिसमें वे खेलकूद सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपने राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा से लेकर संस्कृति से जुड़ेंगे। डॉ. दिनेश कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर एक ऐसा मंच है, जिससे स्वयंसेवकों को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। अगर समाज में परिवर्तन व सुधार लाना चाहते हैं तो पहले स्वयं में बदलाव लाना होगा। उन्होंने युवाओं को अपनी ऊर्जा का सही दिशा में प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर में आयोजित होने वाली भाषण, कविता, वाद-विवाद, लोकगीत, स्लोगन राइटिंग, ग्रुप डांस, रंगोली आदि प्रतियोगिताओं की रूपरेखा की विस्तृत जानकारी दी। मंच का संचालन स्वयंसेवक अंकित ने किया। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने सभी का स्वागत किया, जबकि डॉ. चंद्रशेखर डागर ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह सहित अन्य अधिकारीगण, कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्यातिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया, जिसके बाद स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय सेवा योजना का गीत गाया।